सितम्बर 2022 वर्ष 1, नंबर 1

दयालबाग़ एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)

डी.ई.आई. मासिक समाचार

वर्नर हाइज़ेनबर्ग
नोबेल पुरस्कार विजेता

''विज्ञान के इतिहास में, गैलीलियो के प्रसिद्ध न्यायिक परीक्षण (trial) के बाद से, यह बार–बार दावा किया गया है कि वैज्ञानिक सत्य को दुनिया की धार्मिक व्याख्या के साथ समेटा नहीं जा सकता है। यद्यपि मुझे अब विश्वास हो गया है कि वैज्ञानिक सत्य अपने क्षेत्र में अभेद्य है, मैंने कभी भी धार्मिक सोच की सामग्री को मानव जाति की चेतना में एक पुराने चरण के हिस्से के रूप में खारिज करना संभव नहीं पाया, एक हिस्सा जिसे हमें छोड़ना होगा अब से। इस प्रकार अपने जीवन के दौरान मुझे विचार के इन दो क्षेत्रों के संबंधों पर बार–बार विचार करने के लिए मजबूर किया गया है, क्योंकि मैं कभी भी वास्तविकता पर संदेह नहीं कर पाया हूं जिसकी ओर वे इशारा करते हैं।''

खंड

खंड क : डी.ई.आई. 3

खंड ख : डी.ईआई. – ओ.डी.ई./ए (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा) 6

खंड ग : डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AAADEIs & AAFDEI) 9

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट
(डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा– 282005

विषय–सूची

खंड क: डी.ई.आई.

1. संस्थान में शिक्षक दिवस समारोह 3

2. शिक्षा संकाय: समाचार
"उत्तम शोधकार्य कैसे करें?" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन 4

कर्मचारी सम्बन्धित समाचार 4

3. कॉलेज से समाचार: डी.ई.आई. टेक्निकल कॉलेज में भूतपूर्व छात्रों की "मीट"/संगोष्ठी का आयोजन 5

4. स्कूल समाचार: डी.ई.आई. पी.वी. "एस. ओ. एफ" ओलंपियाड में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने शीर्ष रैंक हासिल किये 5

खंड ख : डी.ई.आई.– ओ.डी.ई./ए (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

5. कोऑर्डिनेटर की डेस्क से 6

6. मुख्यालय से समाचार: फ्रेश एडमिशन डेटा 6

7. सूचना केन्द्रों से समाचार 7

खंड ग: डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (**AADEIs & AAFDEI**)

8. संपादक की डेस्क से 9

9. कैसे डी.ई.आई. ने मेरे पथ को आकार दिया 9

10. पूर्व छात्र इकाइयाँ (Bytes) 10

11. AADEIs अध्यायों की बैठकें 10

12. उद्योग 5.0 और शिक्षा 5.0 के बीच तालमेल 11

खण्ड 'क' : डी.ई.आई.

संस्थान में शिक्षक दिवस समारोह

5 सितंबर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय सभागार में डी.ई.आई. के छात्रों द्वारा शिक्षक दिवस जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान की प्रार्थना के साथ हुई। इसके पश्चात बी.एस.सी ऑनर्स के छात्र गौरव सबानी ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, जो कि एक शानदार शिक्षक और एक महान दार्शनिक के रूप में जाने जाते हैं, को श्रद्धांजलि अर्पित की।

छात्रों ने मधुर आवाज में सामूहिक गुरू वंदना के माध्यम से शिक्षकों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। छात्रों ने डी.ई.आई. में शिक्षक–छात्र संबंध को प्रकाशित करने वाले सम्पूर्ण डी.ई.आई. शिक्षण समुदाय के योगदान की सराहना की, और शिक्षकों को उनके कठिन परिश्रम, समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए नमन किया। बी.टेक द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री मेघा द्वारा शिक्षकों के सम्मान में एक स्व–रचित कविता प्रस्तुत की गई।

इस शुभ दिन पर डी.ई.आई. की लंबी, समर्पित और प्रतिबद्ध सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए प्रो. साहब दास, प्रो. सुरत कुमार और प्रो. के. महाराज कुमारी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथि शिक्षकों ने अपने संबोधन में स्वीकार किया कि उन्होंने संस्थान से बहुत कुछ सीखा है और डी.ई.आई. को अपनी सेवाएं देने के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे। संस्थान के निदेशक प्रो. पी. के. कालरा ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक शक्तिशाली प्रेरणा स्रोत हैं, जो माता–पिता के पश्चात युवा मस्तिष्क को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की प्रगति उसके शिक्षकों द्वारा होती है जो छात्रों और संस्थान दोनों के प्रति निःस्वार्थ सेवा की मिसाल पेश करते हैं। इस अवसर पर अपने शिक्षकों का स्मरण करते हुए प्रो. कालरा ने स्वीकार किया कि, यह उनके शिक्षक ही थे जिन्होंने उन्हें ''गुरू'' के विभिन्न अर्थों से अवगत कराया और इस बात पर ध्यान केन्द्रित किया कि जो हमें मोक्ष के मार्ग पर ले जाता है वह हमारा परम ''गुरू'' है।

कुमारी प्रतीक्षा मौर्य और कुमारी स्मृति सिंह, बी.एस.सी ऑनर्स की छात्राओं ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन किया। कुमारी निकिता कालरा, बी.एस.सी ऑनर्स ने सम्मानित शिक्षकों के सम्मान पत्र का वाचन किया। बी.टेक द्वितीय वर्ष की छात्रा कुमारी माधुरी ने डी.ई.आई. के सभी छात्रों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन संस्थान गीत और राष्ट्रगान के साथ हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में कर्मचारियों, छात्रों और कई अन्य लोगों ने ध्वनि प्रसारण/आभासी माध्यम से सहभागिता की।

संकाय समाचार

शिक्षा संकायः

विशिष्ट व्याख्यान – ''उत्तम शोधकार्य कैसे करें ?''

पी. एम. एम. एम. एन. एम. टी. टी., स्कूल ऑफ एजुकेशन के तहत शिक्षा संकाय में 7 जुलाई, 2022 को ''उत्तम शोध कार्य कैसे करें?'' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रोफेसर सुखदेव रॉय, विभागाध्यक्ष–भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, डी.ई.आई. ने उक्त विषय पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। प्रो. रॉय ने समस्या का चयन, अच्छे विषय का चयन, अनुसंधान आधारित गतिविधियों की निगरानी, अनुसंधानिक वातावरण की महत्ता, अनुभवों के आदान प्रदान करने और विषय की गहरी जानकारी तक किस प्रकार पहुंचा जाए इस विषय पर विचार–विमर्श किया। उन्होंने सुझाव दिया कि शोधकर्ता को इस तथ्य पर जोर देने में सक्षम होना चाहिए कि शोध में नवीन कार्य किया गया है और यह अपने पाठक को किस प्रकार प्रभावित करेगा, मुद्रित कार्य के संशोधन और परिचय के महत्त्व पर भी शोधार्थी को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने लेखन को सफलतापूर्वक चुनौती देने और आलोचनात्मक मूल्यांकन के निमित्त तत्पर रहने के लिए भी प्रेरित किया। व्याख्यान आपसी वाद–संवाद और चर्चा के साथ समाप्त हुआ। सत्तर शिक्षकों, विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और शोधार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। व्याख्यान का संचालन डॉ. सोना दीक्षित ने किया।

कर्मचारी सम्बन्धित समाचार

डॉ. सोना दीक्षित ने 20 से 27 जून 2022 तक यू.जी.सी. – मानव संसाधन विकास केंद्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा आयोजित ऑनलाइन शॉर्ट–टर्म कोर्स – 'आई सी टी एनेबल्ड लर्निंग', को सफलतापूर्वक पूरा किया। डॉ. दीक्षित ने 13 से 27 जुलाई 2022 तक ''मैनेजिंग ऑनलाइन क्लासेज़ और को–क्रिएटिंग मूक्स'' में दो सप्ताह का संकाय विकास अंतःविषयी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भी पूरा किया, जिसका ऑनलाइन आयोजन, टीचिंग – लर्निंग सेंटर रामानुजन कॉलेज, पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने किया।

डॉ. कल्पना गुप्ता ने 16 से 22 जुलाई 2022 तक टीचिंग – लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'अकादमिक अनुसंधान लेखन और ग्रेड ए' पर आयोजित सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आभासी संकाय विकास कार्यक्रम में भी भाग लिया। जिसका आयोजन मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, हरियाणा और केप कोमोरिन ट्रस्ट इंडिया द्वारा 25 से 31 जुलाई 2022 तक 'क्रिएटिंग एंड स्टिमुलेटिंग रिसर्च – बेस्ड टीचिंग इन हायर एजुकेशन' विषय पर किया गया जहां उन्होंने फिर से ग्रेड ए प्राप्त किया। इसके साथ ही डॉ. गुप्ता ने भारत डिजिटल अकादमी, अलीगढ़ द्वारा 16–20 अगस्त 2022 तक प्रभावी शिक्षण पर आयोजित एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला में भी भाग लिया।

कॉलेज समाचार:

टेक्निकल कॉलेज में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन

9 जुलाई 2022 को डी.ई.आई. तकनीकी कॉलेज में डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग, बैच 1994–1997 के छात्रों का एक ''पूर्व छात्र सम्मेलन'' आयोजित किया गया। डॉ. मुकेश कुमार, सहायक व्याख्याता ने इस कार्यक्रम का समन्वयन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व छात्रों के साथ वर्तमान बैच के छात्रों का प्रेरणा स्वरूप परिचय कराना था और उनकी रजत जयंती के उत्सव का आयोजन करना था। पूर्व छात्र बड़े उत्साह और जोश के साथ विश्वविद्यालय में एकत्र हुए। उन्होंने पुराने जोश के साथ कॉलेज के विभिन्न विभागों का भ्रमण किया। डी.ई.आई. तकनीकी कॉलेज के प्राचार्य, श्री वी.पी. मल्होत्रा ने 25 वर्षों (1997–2022) में कॉलेज की प्रगति को साझा किया और पूर्व छात्रों को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। पूर्व छात्रों ने भी प्राचार्य को स्मृति चिन्ह भेंट किया। पूर्व छात्रों ने वर्तमान छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उन्हें उनके ''करियर'' विकल्पों के बारे में भी सलाह दी। एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया जिसमें पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों दोनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. एम. राधाकृष्ण ने धन्यवाद ज्ञापित किया। परिचय सत्र पूरा होने के बाद पूर्व छात्रों ने कॉलेज के टेक्नोलॉजी पार्क में पौधारोपण किया। पूर्व छात्रों और द्वितीय वर्ष के छात्रों के बीच एक फुटबॉल मैच भी खेला गया जिसे द्वितीय वर्ष के छात्रों ने जीता और उन्हें पुरस्कृत किया गया।

स्कूल समाचार:

डी.ई.आई. पी. वी. प्राथमिक विद्यालय के कुछ बच्चों ने ''एस ओ एफ'' ओलंपियाड में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

डी.ई.आई. के चार छात्र पी.वी. प्राइमरी विद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के दौरान छह विषयों में ''एस. ओ. एफ'' ओलंपियाड परीक्षा में सराहनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। 48 देशों में फैले 68000 से अधिक स्कूलों द्वारा आयोजित दुनिया के सबसे बड़े ओलंपियाड में स्कूल के कुल 37 छात्रों ने भाग लिया। परीक्षा परिणाम निम्नलिखित हैं:

क्र.सं.	नाम	कक्षा	विषय	अंतर्राष्ट्रीय स्थान
1.	अमृत सतसंगी	III	गणित, सामाजिक अध्ययन, साइबर, अंग्रेजी	2 6 6 18
2.	सार पॉल सतसंगी	III	गणित	2
3.	सत्त वैश	III	गणित	8
4.	अक्षर सूरी	III	गणित	11

खण्ड 'ख' : डी.ई.आई.–ओ.डी.ई./ए (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

कोऑर्डिनेटर की डेस्क से

हमारे न्यूज़लैटर, डी.ई.आई.–डी.ई.पी. न्यूज़ के पहले अंक से शुरू करते हुए, जो 31 जनवरी, 2013 को शिक्षा सलाहकार समिति के सम्मानित अध्यक्ष द्वारा जारी किया गया था, यह अगस्त, 2022 तक की एक लंबी यात्रा रही है, जो इसे 10 साल बिना किसी रुकावट के प्रकाशन के करीब लाती है। न्यूज़लैटर का पहला हिंदी संस्करण, डी.ई. आई.–डी.ई.पी. समाचार, जुलाई 2021 में जारी किया गया था और इसके प्रकाशन का एक वर्ष पूरा हो गया है। न्यूज़लैटर का मुख्य उद्देश्य मुख्यालय के साथ केंद्रों और केंद्रों के बीच पारस्परिक वार्तालाप (interaction) को बढ़ाना रहा है। केंद्रों से प्राप्त ''फ़ीडबैक'' हमें आश्वस्त करता है कि इन उद्देश्यों को अच्छी तरह से पूरा किया जाता रहा है और पूरा किया जा रहा है।

सितम्बर के शुरुआत में शिक्षा सलाहकार समिति के अध्यक्ष परम पूज्य प्रो. पी. एस. सतसंगी साहब से हमारे मासिक न्यूज़लैटर को डी.ई.आई. और डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्रों (Alumni) के न्यूज़लैटर के साथ एकीकृत (integrate) करने के निर्देश प्राप्त हुए थे और पहला एकीकृत न्यूज़लैटर अब आपके हाथ में है। प्रारूप में इस बड़े बदलाव का एक तात्कालिक लाभ यह है कि एक ही न्यूज़लैटर में हमें (i) डी.ई.आई., (ii) डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा और (iii) डी.ई.आई. के पूर्व छात्रों की गतिविधियों और महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में एक विहंगम दृश्य मिलता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि संक्षेप में प्रासंगिक और महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिये वास्तव में हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती है क्योंकि किसी घटना या विचार को कम जगह में वर्णित करने के लिए हमेशा अधिक प्रयास की आवश्यकता होती है, यदि हम उसके साथ न्याय करना चाहते हैं। सूचना केंद्रों को आश्वस्त रहना चाहिए कि हम उनसे प्राप्त समाचारों को स्थान देना जारी रखेंगे, बशर्ते वह समय पर हम तक पहुंचें।

(प्रो. वी.बी. गुप्ता)

मुख्यालय (HQs) से समाचार

2022–23 शैक्षणिक सत्र के लिए डी.ई.आई. के ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों मे नए सिरे से प्रवेश:

(i) यू.जी.सी द्वारा अधिकृत (entitled) ऑनलाइन कार्यक्रम:

बी०कॉम (ऑनर्स)	49
बी.बी.ए.	79
बी.ए. (समाजशास्त्र)	3
एम.कॉम	28
एम.ए. (धर्मशास्त्र)	8
कुल	**167 छात्र**

(II) प्रमाणपत्र स्तर (certificate level) के कार्यक्रम:

कुल **388** छात्रों को प्रवेश दिया गया है।

नए प्रवेश की कुल संख्या – **555** छात्र।

सूचना केन्द्रों से समाचार

कपड़ा मंत्रालय ने आई सी टी केंद्र – राजबोरारी, एम.पी. में आदिवासी शिल्पकार महिलाओं को सिलाई मशीनें और कढ़ाई ''टूलकिट'' वितरित किए

16 सितंबर, 2022 को आई सी टी केंद्र राजाबोरारी में एक संयुक्त समारोह आयोजित किया गया जिसमें श्रीमती अर्पणा देशमुख, सहायक निदेशक, डी सी हस्तशिल्प इंदौर, कपड़ा मंत्रालय ने पचास आदिवासी महिलाओं को सिलाई मशीन और कढ़ाई ''टूलकिट'' वितरित किए, जिन्हें आई सी टी केंद्र–राजाबोरारी में प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। पिछले दो वर्षों के दौरान, 18–40 वर्ष की आयु वर्ग के 160 अनुसूचित जनजाति के पुरुषों और महिलाओं को राजाबोरारी में क्रोशिये से कसीदाकारी और बाँस हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामांकित किया गया था और मंत्रालय के पोर्टल पर मान्यता प्राप्त शिल्पकारी के रूप में पंजीकृत किया गया था। मंत्रालय की प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ''(डी बी टी)'' योजना के तहत, 71 पात्र महिला शिल्पकारों ने हाल ही में आवेदन किया था और उनमें से, टूलकिट प्राप्त करने के लिए मंत्रालय द्वारा पचास महिलाओं का चयन किया गया था। प्रत्येक चयनित लाभार्थी को दस हजार रुपये तक की सिलाई मशीन और कढ़ाई ''टूलकिट'' प्रदान किये गये।

सूचना केंद्र जमशेदपुर और अटलांटा केंद्र में स्वतंत्रता दिवस समारोह

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, डी.ई.आई. सूचना केंद्र जमशेदपुर के कर्मचारियों और छात्रों ने 13–15 अगस्त, 2022 तक भारत सरकार के आदेश पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' और 'हर घर तिरंगा अभियान' में भाग लिया। छात्रों और स्टाफ के सदस्यों द्वारा सरकारी सदनों पर झंडे लगाये गये, वेबसाइट पर तस्वीर (selfies) अपलोड की गईं और और भागीदारी के प्रमाण पत्र तैयार किए गये। इस दौरान केंद्र–भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। अभियान के दौरान छात्रों ने स्वतंत्रता के विषय पर आधारित नवीन सामग्री को साझा किया और विभिन्न ''हैशटैग'' का उपयोग करके सामाजिक प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया। छात्रों ने नवीन पोस्टर भी बनाए और हॉल और परिसर को ख़ूबसूरती से सजाया। स्वतंत्रता दिवस पर डी.ई.आई. मुख्य परिसर से ध्वजारोहण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्राप्त हुआ, जिसके बाद स्थानीय उत्सव हुआ जिसमें द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों ने देशभक्ति के गीत गाकर और भाषण देकर भाग लिया। स्वतंत्रता दिवस पर आधारित तीन राउंड की प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया, जिसे तृतीय वर्ष के डिप्लोमा छात्रों ने जीता। कार्यक्रम का समापन उपस्थित लोगों को मिष्ठान एवं अल्पाहार वितरण के साथ हुआ।

डी.ई.आई. अटलांटा सेंटर, यू एस ए ने देशभक्ति की भावना के साथ भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत अटलांटा शाखा सत्संग के बच्चों द्वारा मार्च पास्ट से की गई। इसके बाद भारतीय राष्ट्रगान (जन गण मन) और अमेरिकी राष्ट्रगान (स्टार–स्पैंगल्ड बैनर) का पाठ किया गया। बाद में, सभी बच्चों और वयस्कों ने 'तिरंगा' के तीन रंग (केसर, सफेद और हरा) और चक्र में 24 तीलियां, जो भारतीय ध्वज में प्रतिनिधित्व करती हैं, के महत्व पर समूह चर्चा में भाग लिया। तत्पश्चात, बच्चों ने अपने पसंदीदा स्वतंत्रता सेनानियों – महात्मा गांधी, रानी लक्ष्मी बाई, सरदार भगत सिंह, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, पं० जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती कमला नेहरू, श्रीमती सरोजिनी नायडू और कई अन्य पर (स्वतन्त्रता सैनानी सुभाष चन्द्र बोस...) अपने अनुसंधान प्रस्तुत किए। इसके बाद, बच्चों ने तिरंगे के कपकेक को भारतीय ध्वज के तीन रंगों के प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व के रूप में बनाया। यह सभी के लिए यादगार आयोजन था।

सूचना केंद्र मुरार में ओरियन्टेशन कार्यक्रम

8 सितंबर 2022 को सूचना केंद्र मुरार, बिहार में एक अभिविन्यास (orientation) कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षकों, नव प्रवेशित छात्रों और उनके अभिभावकों ने रुचि के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान की प्रार्थना के साथ हुई और उसके बाद दयालबाग़ शैक्षिक संस्थान की शिक्षा नीति और केंद्र में चल रहे पाठ्यक्रमों के विवरण को शामिल करते हुए केंद्र प्रभारी की प्रस्तुति दी गई। श्री प्रेम प्यारा सत्संगी ने अभिविन्यास कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री. गुरमेहर वर्मा ने एक सफल भविष्य के लिए माता–पिता और छात्रों के कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। डी.ई.आई. में अपनाई जाने वाली शैक्षणिक प्रक्रियाओं के विभिन्न पहलुओं के बारे में छात्रों और अभिभावकों को अवगत कराने के लिए एक "पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन" दिखाया गया। इसके बाद, छात्रों को सभा में अपना परिचय देने के लिए आमंत्रित किया गया।

अंत में सभी उपस्थित लोगों को हल्का जलपान वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह कार्यक्रम वास्तव में एक बड़ी सफलता थी जिसमें माता–पिता और छात्र संतोष और गर्व की भावना के साथ भाग ले रहे थे।

खण्ड 'ग' : डी.ई.आई के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI)

संपादक की डेस्क से

"पुराना आदेश बदल जाता है, नए को जगह देता है।"

विक्टोरियन कवि अल्फ्रेड टेनीसन की ये पंक्तियाँ हमारे साथ (अंतरंग में) गूंजती हैं, क्योंकि हम एक नए अवतार में AADEIs & AAFDEI न्यूज़लैटर की एक झलक पेश करते हैं। नया, क्रिस्पी और सटीक, नया प्रारूप सामयिक और समकालीन है। आज की डिजिटल दुनिया के आगे बढ़ने के साथ, यह एक धन्य जनादेश था जिसके लिए हम खुशी से झुकते /नमन–करते हैं। प्रतिबद्धता यह है कि हम हर महीने आपके पास ताजा समाचार और अपडेट के साथ हिंदी में अनुवादित संस्करण लेकर आएंगे। यह अंक हमारे संपादकीय बोर्ड में डॉ. गुरप्यारी भटनागर और डॉ. वसंत वुप्पुलुरी का स्वागत करता है। सबसे बढ़कर, निरंतर मार्गदर्शन, समर्थन और देखभाल के साथ हम पर दया बरसाने के लिए सबसे दयालु परम पूज्य हुज़ूर को नमन करते हैं व प्रार्थना करते हैं।

आपकी टिप्पणी सहभागिता है; आपका योगदान, प्रकाशन के योग्य है, इसलिए हमारे अगले अंक, अगले महीने में शामिल करने के लिए हर महीने के अंत से पहले हमें newsletteraadeis@gmail.com या premksri@gmail.com पर लिखें।

हम बातचीत का वादा करते हैं!
प्रेम कुमारी श्रीवास्तव

कैसे DEI ने मेरे पथ को आकार दिया
प्रीति गुप्ता
एम.एस.सी, पीएच.डी, भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, डी.ई.आई.

एक आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते, मैंने अपना बचपन पूरे देश में बिताया, लेकिन हर साल गर्मियों की छुट्टियों में हम दयालबाग़ जाते थे और 'दयालबाग़ वे ऑफ लाइफ' का आनंद लेते थे। एम.एस.सी भौतिकी कार्यक्रम जो मैंने डी.ई.आई. में किया था, बहुत अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया था और वी एल एस आई डिज़ाइन से लेकर सांख्यिकीय भौतिकी तक, क्वांटम यांत्रिकी से माइक्रोप्रोसेसरों तक, पाठ्यक्रमों की एक रोमांचक श्रृंखला की पेशकश की थी। मुझे इन सभी पाठ्यक्रमों को लेने में मजा आया लेकिन एक कोर्स जिसने विशेष रूप से मेरी रुचि को पकड़ लिया, वह था न्यूरल नेटवर्क्स में एक कोर्स। डी.ई.आई. में, मुझे टोरिनो, इटली में इंस्टीट्यूट ऑफ साइंटिफिक इंटरचेंज सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने एम.एस.सी. परियोजना कार्य का प्रतिनिधित्व करने का भी मौका मिला।

पीएच.डी. के साथ न्यूरोमॉर्फिक इंजीनियरिंग और कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस में और सबसे सम्मानित प्रोफेसर प्रेम सरन सतसंगी साहब के मार्गदर्शन से, मुझे भी चेतना अध्ययन के रोमांचक क्षेत्र का पता लगाने की प्रेरणा मिली और मुझे इन मंचों पर क्वांटम–हेबियन पर अपने कुछ काम को प्रस्तुत करने का भी मौका मिला। इस शोध को आगे बढ़ाने में सबसे बड़ी कठिनाई पूर्वी और पश्चिमी वैज्ञानिक दृष्टिकोणों को मिलाना है। जबकि पूर्वी दृष्टिकोण चेतना को अंतिम वास्तविकता मानता है, पश्चिमी विज्ञान, जो इस क्षेत्र पर हावी है, चेतना को केवल मस्तिष्क के कार्य के परिणाम के रूप में मानता है।

जब मैं अभी भी सोच रही थी कि मैं अपने लक्ष्य के साथ कैसे आगे बढ़ूंगी, एक महान अवसर ने मेरे दरवाजे पर दस्तक दी।

मेरे पीएच.डी. के दौरान डी.ई.आई. में, मुझे एम आई टी– हार्वर्ड और आई आई टी दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित न्यूरोसाइंस में एक प्रतिष्ठित समर स्कूल – ''रेज़ोनेंस'' के लिए चुना गया। समर स्कूल का लक्ष्य छात्रों को न्यूरोसाइंस में बड़े प्रश्नों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना था। मैं वर्तमान में स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, IIT दिल्ली में पोस्टडॉक्टरल फेलो हूं और मैं ब्रेन एंड कॉग्निटिव साइंसेज विभाग एम आई टी में प्रोजेक्ट ''प्रकाश और सिन्हा लैब'' के साथ मिलकर व्यवहार और कम्प्यूटेशनल विधियों का उपयोग करके मस्तिष्क के विकास को समझने में अपने शोध को जारी रखती हूं। मैं स्वीकार करती हूं कि मेरे जीवन के पथ को आकार देने में डी.ई.आई. की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका थी।

''जंगल, सुंदर, काले और गहरे हैं। लेकिन मैनें सोने से पहले निभाने के लिए, और मीलों तक जाने का वादा किया है।''

पूर्व छात्र बाइट्स ....

''दयालबाग शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ है...''

''.....कि इसने 'क्यों नहीं?' के विचार के साथ कर्म योग को अंतर्विष्ट और प्रभावित किया है। इसने मुझे भगवान की सेवा के रूप में सभी प्राणियों की सेवा करने के लिए एक विनम्र Nullisecundus DElite बना दिया है।''
– मधुलिका नेमानी, एम बी एम (1995)

''.....एक पूर्ण मनुष्य के रूप में विकसित होने के प्रयास में, कड़ी मेहनत, दृढ़ता, निस्वार्थ सेवा और सभी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता से अपने आप में आत्मविश्वास का विकास है।''
– सपना मुंजाल शर्मा,
बी.एक्र (2003–04), एम.एस.सी इलेक्ट्रॉनिक्स (2004–05), एम.फिल (2010–11)

AADEIs चैप्टर मीट

AADEIs के चैप्टर ने कोविड प्रतिबंधों के खुलने के बाद पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित करने की प्रक्रिया शुरू की।

जमशेदपुर, पुणे, बेंगलुरु और मुंबई चैप्टर ने अपनी पहली alumni ''मीट'' आयोजित की, जबकि दिल्ली–एन सी आर चैप्टर ने अपनी दूसरी ''मीट'' आयोजित की। जमशेदपुर, पुणे, मुंबई और दिल्ली–एन सी आर ने 'वर्चुअल मोड' में अपनी बैठकें आयोजित कीं, बेंगलुरु चौप्टर ने डी.ई.आई.–आई.सी.टी. ओपन डिस्टेंस एंड लर्निंग (ओ डी एल) बैंगलोर कैंपस के सहयोग से इसे 'फिजिकल' मोड में आयोजित किया।

सभी पूर्व छात्रों ने 'स्वीकृत' ''एस ओ पी और एजेंडे'' का पालन किया।

AADEIs के अध्यक्ष डॉ. एस. के. सतसंगी ने प्रत्येक पूर्व छात्र सम्मेलन में पूर्व छात्रों को संबोधित किया और अध्याय की आगामी गतिविधियों और कार्यक्रमों के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। AADEIs की कोर टीम के सदस्यों और चैप्टर प्रमुखों ने पूर्व छात्रों के साथ बातचीत की। मजेदार गतिविधि, 'टाइम ट्रैवल' का सभी प्रतिभागियों ने भरपूर आनंद लिया। ''फीडबैक पोल'' ने ''मीट'' और प्रारूप के साथ बहुत उच्च स्तर की संतुष्टि (> 90%) भी दिखाई।

चैप्टर मीट्स की मुख्य विशेषताएं:

जमशेदपुर : 8 मई 2022 (वर्चुअल मोड): डी.ई.आई. के 32 पूर्व छात्रों ने अच्छी–तरह–से भाग लिया।

पुणे : 29 मई 2022 (वर्चुअल मोड): डी.ई.आई. के 40 पूर्व छात्रों ने अच्छी–तरह–से भाग लिया।

बेंगलुरू : 5 जून 2022 (भौतिक मोड): डी.ई.आई. के 65 पूर्व छात्रों ने अच्छी तरह से भाग लिया। इस कार्यक्रम में आई सी टी केंद्र के प्रभारी प्रो. टी वी एस एन मूर्ति और कुछ अन्य आई सी टी संकाय ने भी भाग लिया।

मुंबई : 12 जून 2022 (वर्चुअल मोड): डी.ई.आई. के 28 पूर्व छात्रों ने अच्छी तरह से भाग लिया।

दिल्ली–एन सी आर : 3 जुलाई 2022 (वर्चुअल मोड) : यह दूसरा वर्चुअल मीट 3 जुलाई 2022 को 21 नए सदस्यों के स्वागत और उन्हें उन्मुख करने के लिए आयोजित किया गया था। दिल्ली एन सी आर में कुल संख्या अब 50 सदस्यों की है; अब और बढ़ रही है।

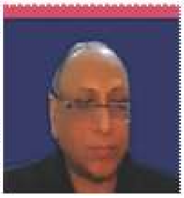

Perfect तस्वीर

रेड–नेप्ड आईबिस/चिड़ियाँ की यह तस्वीर प्रणय भटनागर (एम.एस.सी. जूलॉजी, 2022) द्वारा डेयरी, डी.ई.आई., दयालबाग में शूट की गई थी, जिसे बी बी सी वाइल्डलाइफ मैगजीन (ई–संस्करण) में फोटो ऑफ द डे के रूप में चित्रित किया

उद्योग 5.0 और शिक्षा 5.0 के बीच तालमेल

पमी दुआ, एसोसिएट सदस्य (आजीवन) AADEIs

जैसा कि आप, स्नातक छात्र, वास्तविक दुनिया में कदम रखते हैं, मैं चाहूंगी कि आप 'मानव स्पर्श' (human touch) पर ध्यान केंद्रित करते हुए उद्योग 5.0 और शिक्षा 5.0 के बीच तालमेल पर विचार करें, जिसका उद्देश्य एक अनुरूप ग्राहक अनुभव, व्यक्तिगत कर्मचारी प्रशिक्षण और इमर्सिव इकोसिस्टम का अगला स्तर प्रदान करना है। उद्योग 5.0 ने प्रतिमान को ''डिजिटलीकरण'' से ''निजीकरण'' में स्थानांतरित कर दिया और इमर्सिव प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति के साथ 'मानव स्पर्श' की अवधारणा को फिर से प्रस्तुत किया। यह साइबर–भौतिक को भौतिक–जागरूक स्थान के साथ एकीकृत करता है, एक प्रौद्योगिकी आधारित और मानव केंद्रित सुपर स्मार्ट समाज की नींव रखता है, जो ''मानव केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता'' के इर्द–गिर्द घूमता है, जैसा कि ''बैन श्नाइडरमैन'' ने अपनी पुस्तक में उपयुक्त रूप से वर्णित किया है। इसमें शिक्षा क्षेत्र को 'ह्यूमन टच' और व्यक्तिगत शिक्षा के साथ समृद्ध करना शामिल है। शिक्षा 5.0 में 21वीं सदी के कौशल, अर्थात् सीखना, साक्षरता और जीवन कौशल शामिल हैं। यह किसी के भी दरवाजे पर ज्ञान और अनुकूलित कौशल–आधारित शिक्षा की दिशा में एक कदम है।

– दीक्षांत समारोह के अंश

इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च (IGIDR) (डीम्ड–टू–बी–यूनिवर्सिटी), मुंबई में दिया गया, 13 मई, 2022।

प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड

डी.ई.आई.

संरक्षक

प्रो. पी.के. कालरा

मुख्य संपादक

प्रो. जे.के. वर्मा

संपादक

डॉ. सोना दीक्षित
डॉ. सोनल सिंह
डॉ. अक्षय कुमार सत्संगी
डॉ. बानी दयाल धीर

सदस्यों

डॉ. चारु स्वामी
डॉ. नेहा जैन
डॉ. सौम्या सिन्हा
श्री आर.आर. सिंह
प्रो. प्रवीण सक्सेना
प्रो. वी. स्वामी दास
डॉ. रोहित राजवंशी
डॉ. भावना जौहरी

सलाहकार

प्रो. एस.के. चौहान

अनुवादक

डॉ. नमस्या

डी.ई.आई.–ओ.डी.ई./ए (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

संरक्षक

प्रो. पी.के. कालरा
प्रो. वी.बी. गुप्ता

संपादकीय सलाहकार

प्रो. एस.के. चौहान
प्रो. जे.के. वर्मा

संपादकीय मंडल

डॉ. सोनल सिंह
डॉ. मीना पायदा
डॉ. लॉलीन मल्होत्रा,
डॉ. बानी दयाल धीर
श्री राकेश मेहता

अनुवादक

डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

डी.ई.आई. Alumni (AADEIs & AAFDEI)

संपादक

प्रो. प्रेम कुमारी श्रीवास्तव

संपादकीय समिति

डॉ. सरन कुमार सतसंगी,
प्रो. साहब दास
डॉ. बानी दयाल धीर
श्रीमती शिफाली सत्संगी
श्रीमती अरुणा शर्मा
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा
डॉ. गुरप्यारी भटनागर
डॉ. वसंत वुप्पुलुरी

अनुवादक

डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

पंजीकृत कार्यालयः
108, साउथ एक्स प्लाजा –1,
साउथ एक्सटेंशन पार्ट II,
नई दिल्ली–110049।

प्रशासनिक कार्यालयः
पहली मंजिल, 63,
नेहरू नगर,
आगरा –282002।

चित्रण, मुद्रण एवं ई–प्रकाशनः दयालबाग़ प्रेस